the Tariff structure or procedures could be suitably improved so as to prevent avoidance.

(c) Cases of evasion as and when detected are suitably dealt with as provided by law.

Demonstration by Goldsmiths

*677. **Shri P. C. Borooah:** Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) whether the Akhil Bharatiya Swarankar Sangh held a demonstration outside Parliament House, New Delhi on the 1st December, 1964;

(b) if so, their precise demands; and

(c) Government's reaction thereto?

The Deputy Minister in the Ministry of Finance (Shri Rameshwar Sahu): (a) Yes, Sir.

(b) A copy of the petition presented by them is placed on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT-3743|64).

(c) The main demand of the Sangh is for the dropping of the Gold (Control) Bill, 1963. The House has already considered the various provisions of the Bill and the Government's reaction has been explained during the discussion.

अमरीका से ऋण

*678. { **श्री ओंकार लाल बेरवा :**
श्रीमती सावित्री निगम :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में उद्योग, विद्युत-जनन तथा परिवहन के विकास के लिए अमरीका से भारत सरकार के 3 ऋण करार हुए है ; और

(ख) यदि हां, तो ये ऋण कितनी रकम के हैं तथा इन करारों की मुख्य बातें क्या हैं ?

योजना मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) जी, हां ।

(ख) एक विवरण संलग्न है ।

विवरण

जिन तीन अमरीकी ऋणों पर हाल ही में हस्ताक्षर किये गये, वे ये हैं :—

(1) 1964-65 की 5 करोड़ डालर की वस्तु कार्यक्रम सहायता, जिसे प्रायोजना से भिन्न कार्यों सम्बन्धी चौथा ऋण कहा जाता है (सहायता ऋण संख्या 386-एच-111) ।

(2) 72 लाख डालर का छठा रेल ऋण (सहायता ऋण संख्या 386-एच-121) ।

(3) 31 लाख डालर का शरावती पन-बिजली प्रायोजना ऋण, तीसरा दौर (सहायता ऋण संख्या 386-एच-109) ।

2. वस्तु कार्यक्रम सहायता ऋण की रकम तीसरी पंचवर्षीय आयोजना को क्रियान्वित करने के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका से मंगायी जाने वाली कई प्रकार की आवश्यक वस्तुओं और साजसामान का विदेशी मुद्रा सम्बन्धी मूल्य चुकाने के लिये खर्च की जायेगी ।

छठे रेल ऋण से बड़ी लाइनों के लिए डीजल से चलने वाले, रेल के 25 इंजन मंगाने पर खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा की व्यवस्था की जायेगी जिसमें दो साल के लिए फालतू पुर्जे मंगाना और संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय रेल कर्मचारियों का प्रशिक्षण भी शामिल है ।

शरावती बिजली प्रायोजना ऋण से मैसूर राज्य में शरावती पन-बिजली केन्द्र में 89.1 मेगावाट क्षमता का एक अतिरिक्त संयंत्र लगाने के लिए आवश्यक सामान और सेवाओं तथा तत्सम्बन्धी द्रवचालित (हाइड्रा-

लिक) साजसामान, प्रेषण लाइनों और संग्राही केन्द्रों (रिसीविंग स्टेशन) का विदेशी मुद्रा सम्बन्धी व्यय पूरा किया जायेगा ।

3. तीनों ऋणों की वापसी ऋण के अन्तर्गत किये गये पहले भुगतान की तारीख से दस वर्ष की रियायती अवधि समेत 40 वर्ष की अवधि में 61 छमाही किस्तों में डालरों के रूप में की जानी है । ब्याज की अदायगी, हर छमाही, डालरों में की जानी है और उसकी दर पहले दस वर्षों के लिए $\frac{3}{4}$ प्रतिशत वार्षिक तथा बाद के बाकी 30 वर्षों के लिए 2 प्रतिशत वार्षिक है । ब्याज प्रत्येक ऋण के अन्तर्गत किये गये भुगतानों की तारीख से लगेगा और ब्याज की पहली किस्त पहले भुगतान के छः महीने बाद अदा की जानी है ।

Non-Plan Expenditure

***679. Shri Harish Chandra Mathur:** Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether Government have ensured cutting the non-Plan expenditure by Rs. 70 crores this year; and

(b) the State Governments' plans and performance in the matter?

The Minister of Planning (Shri B. R. Bhagat): (a) The shortfall of Rs. 70 crores envisaged in the expenditure budgetted for 1964-65 includes both non-Plan and some Plan items also. The implementation of these cuts during the year is being watched in the course of the scrutiny of the Revised Estimates for 1964-65, which is in progress.

(b) A detailed examination of the non-development expenditure and non-Plan developmental expenditure of the States has been made by the Planning Commission while finalising the Annual States Plan for 1965-66 after discussion with the State Governments concerned. Attention is also invited to the reply given to the Starred Question No. 555 answered in the House on 17th December, 1964.

स्टाफ कारों पर व्यय

*680. { श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्रीमती सावित्री निगम :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय मंत्रालयों की कारों पर प्रतिदिन राष्ट्रीय कोष से लगभग 1800 रुपये व्यय होते हैं;

(ख) यदि हां, तो पहले वर्ष की अपेक्षा चालू वर्ष में यह व्यय कितना बढ़ गया है; और

(ग) इसके क्या-क्या कारण हैं ?

योजना मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : (क) जी, हां । मार्च, 1964 के जो आंकड़े इकट्ठे किये गये हैं उनके अनुसार कारें चलाने का औसत खर्च लगभग 1,900 रुपया प्रतिदिन निकलता है ।

(ख) और (ग). वर्ष के कुल खर्च के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं । मंत्रालयों के पास 1964 में लगभग उतनी ही कारें हैं जितनी 1963 में थीं । फिर भी, 1964 में उन पर होने वाले खर्च में, महंगाई भत्ते की दर और पेट्रोल की कीमत बढ़ जाने के कारण, वृद्धि होने की सम्भावना है ।

Maternity Centres in Orissa

1822. Shri Rama Chandra Mallick: Will the Minister of **Health** be pleased to state:

(a) the total number of Maternity and Child Welfare Centres opened in the State of Orissa as on 31st October, 1964;

(b) whether any amount of grant has been sanctioned by the Government of India for these Centres during 1963-64 and 1964-65 so far; and